HIndi Murli Quiz 28-10-2015

.

Q.1) **शिवबाबा की ही महिमा है। बाप कहते हैं तुम अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। इसमें बहुत अच्छे-अच्छे बच्चे फेल होते हैं। देही-अभिमानी स्थिति में ठहर नहीं सकते। देही-अभिमानी बनेंगे तब ही इतना ऊंच पद पायेंगे। कई बच्चे फालतू बातों में बहुत टाइम वेस्ट करते हैं।**

A. True
B. False

Q.2) **इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -**

A. अगर कोई कुछ बोलता है तो शान्त रहना। हाथ में लॉ नहीं उठाना।
B. मन्सा में भी किसी को दु:ख देने का ख्याल न आये।
C. आपस में कभी एक-दो को तंग नहीं करना, गुस्सा नहीं करना, यह आसुरी मनुष्यों का काम है।
D. निंदा-स्तुति, मान-अपमान सब कुछ सहन करना।

Q.3) **बाप खुद कहते हैं तुम बच्चों ने बहुत पैसे बरबाद किये हैं। यह भी ड्रामा में पार्ट है जो तुमको धक्का खाना पड़ता है। यह है ही ज्ञान और भक्ति का खेल। अभी तुम बच्चों को सारी समझ मिलती है। ज्ञान है सुख का रास्ता, ज्ञान से सतयुग की राजाई मिलती है। इस समय राजा रानी तथा प्रजा सब नर्क के मालिक हैं।**

A. False
B. True

Q.4) **Match the following**

	Choice	Match
A	जो बच्चे परमात्म स्नेह में सदा लवलीन रहते हैं	वह मेहनत और मुश्किल से बचे रहते हैं।
B	उनके आगे प्रकृति और माया	दोनों अभी से दासी बन जाते।
C	जो स्नेही आत्मा अपने मालिकपन की स्टेज पर रहती हैं,	उनका समय वा संकल्प प्रकृति व माया अपने तरफ लगा नहीं सकती।
D	उनका हर समय, हर संकल्प	बाप की याद और सेवा के प्रति होता है।
E	स्नेही आत्माओं की स्थिति का गायन है -	एक बाप दूसरा न कोई, बाप ही संसार है।
F	वे संकल्प से भी	अधीन नहीं हो सकते।

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	कर्मातीत अवस्था हो जाए तो फिर शरीर छोड़ना पड़े	अभी कुछ न कुछ विकर्म रहे हुए हैं, हिसाब-किताब है इसलिए योग पूरा नहीं लगता है।
B	अभी कोई भी नहीं कह सकते कि	हम कर्मातीत अवस्था में हैं।
C	सारा मदार तुम्हारी	अवस्था पर और विनाश पर है।
D	अगर बाप के मददगार नहीं बनते, प्यार नहीं करते, एक-दो से प्रीत नहीं है	विपरीत बुद्धि होकर रहते हैं तो विनशन्ती हो जाते हैं।
E	कोई किसको दु:ख देते हैं तो	उनको बाप समझायेंगे ना। बच्चे, बच्चे को कह नहीं सकते। अपने हाथ में लॉ नहीं लेना है।
F	सतोप्रधान बनने का रास्ता बाप समझा रहे हैं।	वह है गुप्त। तुम हो प्रत्यक्ष।

Q.6) **बाप बच्चों को समझाते हैं बच्चे माया बड़ा जोर से थप्पड़ लगाती है, विकर्म करा देती है इसलिए कचहरी करो, आपेही अपनी कचहरी करना अच्छा है। तुम अपने को आपेही राजतिलक देते हो तो अपनी जांच करनी है। तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है। बाप श्रीमत देते हैं ऐसे-ऐसे करो, दैवीगुण धारण करो।**

A. True
B. False

Q.7) **_____ बनो तो समस्यायें भी मनोरंजन का खेल अनुभव होंगी।**

A. नॉलेजफुल

B. योगी

C. स्नेही

D. ज्ञानी तू आत्मा

Q.8) **बाप कहते हैं यहाँ तो 21 जन्मों की गैरन्टी है। वहाँ यह पता नहीं पड़ेगा कि हम बेहद के बाप से यह वर्सा ले आये हैं। यह ज्ञान इस समय तुमको मिलता है तो कितना अच्छी रीति पुरूषार्थ करना चाहिए। पुरूषार्थ नहीं करते हैं तो गोया अपने पांव पर कुल्हाड़ा मारते हैं।**

A. True

B. False